Spandan

Class - 4

4 हिंदी (स्पंदन)

1. हम सब सुमन एक उपवन के

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) कवि ने फूलों की तुलना मनुष्यों से की है।
   (ख) फूल पवन के पलने में झूल-झूलकर पलते हैं।
   (ग) सूरज की किरणें हृदय की कली खिलाती हैं।
   (घ) फूल धनी और निर्धन का श्रृंगार है।
3. छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) 'हम सब सुमन एक उपवन के' से कवि का तात्पर्य यह है कि हम सब मनुष्य एक ही विधाता की संतान हैं।
   (ख) कविता में भ्रमरों से स्वर की बात की गई है।
   (ग) फूल गले का हार एक सूत्र में बंधकर बनते हैं।
   (घ) फूल सबको अपनी सुगंध देते हैं।
2. (क) हम सब सुमन एक उपवन के।
   एक हमारी धरती सबकी,
   जिसकी मिट्टी में जन्मे हम।
   मिली एक ही धूप हमें है,
   सींचे गए एक जल से हम।
   (ख) सूरज एक हमारा, जिसकी,
   किरणें उर की कली खिलातीं।
   एक हमारा चाँद चाँदनी,
   जिसकी हम सबको नहलाती।
3. (क) – (*iii*), (ख) – (*iv*), (ग) – (*i*) (घ) – (*ii*)

मूल्यपरक प्रश्न

हम विभिन्न जाति, धर्म, संप्रदाय, भाषा, बोली में विभिन्नता रखने के बावजूद एक हैं। हमारा एक ही मूल अर्थ है– मानवता। हमारी एक ही संस्कृति है– मातृभाव और प्रेम। विविधता में एकता ही हमारा मूलमंत्र है।

भाषा और व्याकरण

1. (क) सुमन, उपवन, (ख) पलना, पवन, (ग) गगन (घ) सुगंध
2. (क) तुम, (ख) हम, (ग) आप, (घ) मुझे
3. | विशेषण | | विशेष्य |
   |---|---|---|
   | (क) अनेक | - | दुकानें |
   | (ख) नए-नए | - | कपड़े |
   | (ग) काला | - | कौआ |
   | (घ) रंग-बिरंगी | - | तितलियाँ |
4. (क) सींच रहा है, (ख) चल रही है, (ग) मँडरा रहे हैं, (घ) है

क्रियाकलाप / गतिविधि, सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

2. दो बैलों की कथा

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. [1] झूरी के बैलों का नाम हीरा और मोती था।
   [2] झूरी ने दोनों बैलों को कुछ दिनों के लिए अपने ससुराल भेजा।
   [3] गया ने बैलों के साथ बहुत बुरा बर्ताव किया।
   [4] कांजीहौस की दीवार मोती ने तोड़ी।
3. छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) गया के घर से हीरा और मोती इसलिए भाग गए क्योंकि वह उनके साथ बहुत ही बुरा व्यवहार करता था।
   (ख) बैलों को वापस गाँव लौटा देख गाँव के लड़के जमा हो गए और तालियाँ बजा-बजाकर उनका स्वागत करने लगे।
   (ग) गया के घर में एक छोटी-सी लड़की रहती थी। वही हीरा और मोती को चुपके से आकर रोटी खिलाती थी।
   (घ) वही खेत, वही बाग, वही गाँव जिस रास्ते से गया उन्हें ले गया था– उन्हें देखकर दोनों बैलों को रास्ता जाना-पहचाना सा लगा।
2. [1] एक बार झूरी ने कुछ दिनों के लिए दोनों को अपनी ससुराल भेजा।
   [2] गया के घर में एक छोटी-सी लड़की रहती थी।
   [3] दोनों आगे चले तो रास्ते में मटर का खेत दिखाई दिया।
   [4] एक दिन कांजीहौस वालों ने हीरा-मोती को नीलाम कर दिया।

3. (क) भाईचारा, (ख) सख्त, (ग) रस्से, (घ) धूप
4. (क) गया के घर में एक छोटी-सी लड़ती रहती थी।
(ख) छोटी लड़की को उसकी सौतेली माँ मारती-पीटती थी।
(ग) बैलों को चुपके से रोटी छोटी लड़की खिलाती थी।

मूल्यपरक प्रश्न

पशु-पक्षी हमारे मित्र हैं। वे पग-पग पर हमारी सहायता करते हैं। उनसे हमारा जीवन सुगम बनता है। उनका संरक्षण हमारा कर्तव्य है। उनके सुख-दुख का हमें पूरा ख्याल रखना चाहिए।

भाषा और व्याकरण

1. (क) झूरी, (ख) गया, (ग) मोती, (घ) हीरा
2. (क) वे, (ख) उसने, (ग) उन्हें, (घ) वह
3. (क) झूरी के पास दो गायें थीं।
(ख) घर और गाँव की लड़कियाँ जमा हो गई।
(ग) गया के घर में एक छोटा-सा लड़का रहता था।
(घ) मोती ने गधी को सींग हिला-हिलाकर भगा दिया।
4. (क) उन्होंने ज़ोर लगाकर रस्सियाँ तोड़ डालीं।
(ख) थोड़ी देर में लड़कियों ने शोर मचा दिया।
(ग) खेत के रखवालों ने उन्हें देख लिया।
(घ) उनकी हड्डियाँ निकल गई थीं।

क्रियाकलाप / गतिविधि, सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

3. पिता का पत्र, पुत्री के नाम

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) धरती सूर्य के चारों ओर घूमती है।
(ख) चाँद धरती के चारों ओर घूमता है।
(ग) हमारी पृथ्वी सूर्य से निकली थी।
(घ) धरती को सूर्य की बेटी कहा जाता है।

प्रश्न नं. 3 तथा 4 के उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) लेखक ने अपनी पुत्री, इंदिरा (गांधी) को पत्र लिखा है।
(ख) सूर्य और उसके ग्रह और उपग्रह मिलकर एक परिवार बनाते हैं। इसे ही ''सौर जगत'' कहा जाता है।
(ग) सितारों के बारे में ज्योतिषी बताते हैं कि बहुत दिन पहले हमारी पृथ्वी और सारे ग्रह सूर्य में ही मिले हुए थे।
(घ) धरती का एक टुकड़ा निकल भागा तथा चाँद हो गया।
2. 1 चाँद धरती का उपग्रह कहलाता है।
2 ग्रह सूर्य की रोशनी से चमकते हैं।
3 वास्तव में सूर्य स्वयं एक सितारा है।
4 हमारी पृथ्वी भी सूर्य से निकली थी।
3. (क) आसमान, (ख) सितारा, (ग) पृथ्वी, (घ) बेटी
4. (क) पृथ्वी सूर्य से निकली थी।
(ख) सूर्य का एक अंश होने के कारण धरती को सूर्य की बेटी कहा जाता है।
(ग) धीरे-धीरे पृथ्वी ठंडी होने लगी।

मूल्यपरक प्रश्न

पृथ्वी को पर्यावरण प्रदूषण से बचाने के लिए कल-कारखानों द्वारा किए जा रहे गैस उत्सर्जन को कम करना होगा। पेट्रोल तथा डीजल चालित वाहनों के विकल्प तलाशने होंगे तथा पेड़-पौधों की सुरक्षा करनी होगी। तभी पृथ्वी सुरक्षित रह सकती है।

भाषा और व्याकरण

1. (क) सितारे, (ख) मनुष्य, (ग) ज्योतिषी, (घ) पेड़-पौधे,
2. (क) घूमती, (ख) देखते, (ग) उड़ाने, (घ) बरस
3. (क) छोटी-छोटी, (ख) हज़ारों, (ग) बहुत, (घ) बड़े-बड़े
4. (क) तुम जानती हो, पृथ्वी सूर्य के चारों और घूमती है।
(ख) चंद्रमा धरती के चारों ओर घूमता है।
(ग) ग्रह सूर्य के प्रकाश से चमकते हैं।
(घ) सूर्य का एक भाग होने के कारण धरती सूर्य की बेटी हुई।

क्रियाकलाप / गतिविधि, सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

4. विज्ञान की एक अद्भुत देन - कंप्यूटर

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) मनुष्य की अद्भुत खोज कंप्यूटर है।
(ख) कंप्यूटर विज्ञान की देन है।
(ग) कंप्यूटर की रचना ठीक मानव शरीर के समान है।
(घ) कंप्यूटर के माध्यम से पठन-पाठन का स्तर अच्छा हुआ है। इंटरनेट के माध्यम से कोई भी व्यक्ति घर बैठे ज्ञान प्राप्त कर सकता है।
3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) यदि बिजली और कलपुर्जों का आविष्कार न हुआ होता तो कंप्यूटर भी न बन पाता।

(ख) कंप्यूटर का आविष्कार अमेरिका के डॉ० हर्मन हॉलरिथ ने सन् 1989 में किया था।

(ग) कंप्यूटर की रचना मानव शरीर से मिलती-जुलती है क्योंकि जिस प्रकार से मनुष्य के शरीर को कुछ प्रमुख अंगों में बाँटा जाता है, उसी प्रकार कंप्यूटर के भी अलग-अलग अंग होते हैं। मानव शरीर की नाड़ियों की तरह मोटे और बारीक तारों का जाल पूरे कंप्यूटर में फैला और गूँथा रहता है।

(घ) कंप्यूटर ने चिकित्सा, शिक्षा, मनोरंजन, यातायात, संचार इत्यादि क्षेत्रों में अपनी उपयोगिता सिद्ध की है।

2. [1] कंप्यूटर विज्ञान की देन है।
[2] कंप्यूटर मशीनी मानव है।
(3) किसी भी समस्या को कंप्यूटर की भाषा में अनुवाद करना पड़ता है।
(4) कुछ कंप्यूटर लाखों-करोड़ों रुपए के हैं और उन्हें कोई सरकार ही खरीद सकती है।

3. (क) कंप्यूटर, (ख) मानव, (ग) भाषा (घ) सैकड़ों

4. (क) - (*iii*), (ख) - (*iv*), (ग) - (*ii*), (घ) - (*i*)

मूल्यपरक प्रश्न

कंप्यूटर ने हमारे जीवन को बेहद आसान और सुगम बनाया है। पहले काम करने के लिए घंटों और दिनों लग जाते थे, वे काम अब कंप्यूटर की सहायता से सैकेण्डों में हो जाते हैं। शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार, अनुसंधान इत्यादि क्षेत्रों में कंप्यूटर की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण रही है।

भाषा और व्याकरण

1. (क) कंप्यूटर अनेक समस्याओं को सुलझा देता है।
(ख) इसका आविष्कार हर्मन हॉलरिथ ने सन् 1889 में किया था।
(ग) कंप्यूटर में बारीक तारों का जाल गुँथा रहता है।
(घ) कंप्यूटर अपनी भाषा में संदेश को समझ सकता है।

2. (क) स्वर– कृतिका का स्वर मधुर है।
स्वर– हिंदी में वर्ण दो प्रकार के होते हैं– स्वर एवं व्यंजन।
(ख) लाल– श्रीकृष्ण यशोदा के लाल थे।
लाल– लाल-लाल सेब पेड़ पर लटके थे।
(ग) सोना– आजकल सोना बहुत महँगा है।
सोना– ज्यादा सोना ठीक नहीं होता।
(घ) काल– काल का पहिया थमता नहीं है।
काल– काल के तीन भेद हैं।
(ङ) व्यंजन– व्यंजन स्वर की सहायता से बोले जाते हैं।
व्यंजन– रमेश के घर में कई प्रकार के व्यंजन पके थे।

3. (क) दुर्बल, (ख) सफ़ेद, (ग) मीठे, (घ) मेहनती

4. (क) वैज्ञानिकों ने कई आविष्कार किए।
(ख) मनुष्य के अंगों की तरह कंप्यूटर भी है।
(ग) कंप्यूटर अब सस्ते हो गए हैं।
(घ) महँगे कंप्यूटर व्यापारिक कंपनियाँ खरीदती हैं।

क्रियाकलाप / गतिविधि, सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

5. यह भारतवर्ष हमारा है

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।

2. (क) इस कविता में प्राणों से प्यारा भारतवर्ष को बताया गया है।
(ख) संतरी सरीखा हिमालय खड़ा है।
(ग) वन में कोयल बोल रही है।
(घ) भारत की भूमि में राम और सीता जन्मे थे।

3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) अद्‌वितीय प्राकृतिक सुंदरता तथा महापुरुषों की जन्म-स्थली होने के कारण हमारा भारतवर्ष प्राणों से भी प्यारा है।
(ख) यहाँ की पहाड़ियों में सुंदर झरने अवस्थित हैं।
(ग) मनोहारी हवा के साथ-साथ सुगंध की धारा बह रही है।
(घ) यहाँ मधुर गीता गूँजी थी।

2. (क) है यहाँ हिमालय खड़ा हुआ,
संतरी सरीखा अड़ा हुआ,
गंगा की निर्मला धारा है,
यह भारतवर्ष हमारा है।
(ख) है हवा मनोहर डोल रही,
वन में कोयल है बोल रही।
बहती सुगंध की धारा है,
यह भारतवर्ष हमारा है।

3. (क)- (*iii*), (ख)- (*iv*), (ग)- (*ii*), (घ)- (*i*)

मूल्यपरक प्रश्न

हमारा देश भारत प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विविधता से परिपूर्ण है। मैदान, पहाड़, नदियाँ, समुद्र इत्यादि इनकी

शोभा हैं। महान विभूतियों की यह जन्म और कर्मस्थली है। इसलिए मेरा भारत देश प्यारा और सबसे न्यारा है।

भाषा और व्याकरण

1. (क) भारतवर्ष– व्यक्तिवाचक संज्ञा
   (ख) हिमालय– व्यक्तिवाचक संज्ञा
   (ग) शोभा– भाववाचक संज्ञा
   (घ) गीता– व्यक्तिवाचक संज्ञा
2. (क) बह रही है।, (ख) बोल रही है।,
   (ग) गिर रहा है।, (घ) बढ़ाएँगे।
3. (क) लड़कियाँ कक्षा में पढ़ रही हैं।
   (ख) मदारी के इशारे पर बंदरिया नाच रही है।
   (ग) दादी जी पार्क में टहल रही हैं।
   (घ) घोड़ी सरपट दौड़ रही है।
4. (क) लोकप्रिय (ख) ईर्ष्यालु
   (ग) पारदर्शी (घ) आज्ञाकारी

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

6. परीलोक

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) विभा एक शरारती और जिद्दी लड़की थी।
   (ख) एक दिन विभा की माँ ने उसे परियों की कहानी सुनाई।
   (ग) रात में विभा के सपने में एक परी आई।
   (घ) अंत में विभा ने यह संकल्प किया कि वह अपनी सहेलियों से कभी बेईमानी नहीं करेगी और न ही झूठ बोलेगी।
3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) शैतानी करना और किसी की बात न मानना विभा का स्वभाव बनता जा रहा था।
   (ख) विभा दिन-रात यही सोचते रहती थी कि परियाँ कैसी होती होंगी?
   (ग) फूलों के बारे में परी ने विभा से कहा– ''यहाँ इसने सुंदर फूल इसलिए है क्योंकि हम इन्हें तोड़ते नहीं है।''
   (घ) परियों को मिल-जुलकर खेलता देख विभा सोचने लगी कि कैसे वह अपने दोस्तों से रूठकर खेल बीच में ही छोड़कर चल देती है। खेल में बेईमानी करती है तथा इसे सही सिद्ध करने के लिए झूठ भी बोलती है।
2. 1 विभा एक शरारती और जिद्दी लड़की थी।
   2 एक दिन विभा की माँ ने उसे परियों की कहानी सुनाई।
   3 परी ने विभा का हाथ थामा और उसे साथ लेकर परीलोक उड़ गई।
   4 विभा को खुद पर बहुत शर्म आई।
3. (क) झूठ, (ख) खुशबू, (ग) परियाँ, (घ) पछतावा
4. (क) विभा जिस किसी भी चीज़ को देखती, उसे लेने के लिए हठ करने लगती।
   (ख) अपनी बात को सही साबित करने के लिए वह कई बार झूठ भी बोलती।
   (ग) शैतानी करना और किसी की बात न मानना उसका स्वभाव बनता जा रहा था।

मूल्यपरक प्रश्न

हम सभी मनुष्य हैं। मनुष्य का मूल स्वभाव परस्पर मिल-जुलकर प्रेमभाव से रहना ही है। इसी में हमारी भलाई है। यदि हम आपस में वैर और कटुता रखेंगे तो इससे हमारा ही अहित होगा। हम अशांत रहेंगे और कोई काम सही तरीके से नहीं हो पाएगा। इसलिए हमें मिल-जुलकर ही रहना चाहिए।

भाषा और व्याकरण

1. (क) हठ (ख) खुशबू
   (ग) जिज्ञासा (घ) शर्म
2. (क) एक दिन माँ ने परियों की कहानी सुनाई।
   (ख) फूलों की बहुत अच्छी खुशबू आ रही थी।
   (ग) परियाँ किसी के मन को ठेस नहीं पहुँचाती।
   (घ) वह दोस्तों से रूठकर चली गई।
3. (क) फल– परिश्रम का फल अवश्य मिलता है।
   फल– फल बहुत स्वादिष्ट है।
   (ख) जल– आग लगते ही लकड़ी जल उठी।
   जल– तालाब का जल शीतल था।
   (ग) योग– दो और दो का योग चार होता है।
   योग– इन दिनों योग सप्ताह मनाया जा रहा है।
   (घ) भेद– संज्ञा के तीन भेद होते हैं।
   भेद– उसके साथ रहकर उसने उसका भेद जान लिया।
4. (क)- (*iv*), (ख)- (*i*), (ग)- (*ii*), (घ)- (*iii*)

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

7. चक्रव्यूह

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) चक्रव्यूह की रचना कौरवों ने की थी।
   (ख) चक्रव्यूह को केवल अर्जुन ही भेद सकता था।
   (ग) युधिष्ठिर से युद्ध में जाने की आज्ञा अभिमन्यु ने माँगी।
   (घ) अभिमन्यु को युद्ध में देखकर जयद्रथ ने परिहास किया।
3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) युधिष्ठिर की चिंता का कारण कौरवों द्वारा रचा गया चक्रव्यूह था।
   (ख) चक्रव्यूह को अर्जुन भेद सकता था।
   (ग) अभिमन्यु ने चक्रव्यूह को भेदने की कला अपनी माँ के गर्भ में सीखी थी।
   (घ) अंत में अभिमन्यु रथ के टूटे हुए पहिए को उठाकर युद्ध करता है।
2.

	किसने कहा?	किससे कहा
(क)	अभिमन्यु ने	युधिष्ठिर से
(ख)	युधिष्ठिर ने	अर्जुन से
(ग)	जयद्रथ ने	अभिमन्यु से
(घ)	सैनिक ने	अभिमन्यु से

3. (क) चक्रव्यूह, (ख) कला, (ग) बालक, (घ) निहत्थो
4. (क)- (*iii*), (ख)- (*iv*), (ग)- (*ii*), (घ)- (*i*)

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

किसी भी प्रतिस्पर्धा में चाहे वो युद्ध हो अथवा खेल, उसके लिए बनाए गए नियमों का उल्लंघन करना सर्वथा अनुचित है। अनैतिकता का सहारा लेकर किसी भी क्षेत्र को जीतना चाहे तो युद्ध का क्षेत्र हो अथवा खेल का, गलत है।

भाषा और व्याकरण

1. (क) अर्जुन– व्यक्तिवाचक संज्ञा
   (ख) चक्रव्यूह– जातिवाचक संज्ञा
   (ग) बालक– जातिवाचक संज्ञा
   (घ) सेना– जातिवाचक (समूह वाचक) संज्ञा
2. (क) थे (ख) है (ग) रहेंगे (घ) रहा है।
3. (क) अध्यापिका कक्षा में पढ़ा रही है।
   (ख) नौकरानी घर का काम कर रही है।
   (ग) हमने बाज़ार से छतरी खरीदी।
   (घ) छात्राएँ पढ़ रही हैं।
4. (क) बेटा, (ख) माता, (ग) लड़ाई, (घ) आशीष, (ङ) आदेश, (च) पृथ्वी

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

8. त्योहारों का देश - भारत

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) भारत में हर महीने कोई-न-कोई त्योहार मनाया जाता है, इसलिए इसे 'त्योहारों का देश' कहा जाता है।
   (ख) भारत में कुछ त्योहार विभिन्न फ़सलों के आगमन की खुशी में मनाए जाते हैं।
   (ग) हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहार हैं– होली, दीपावली, रक्षाबंधन, दशहरा इत्यादि।
   (घ) मुस्लिम धर्म को मानने वालों का प्रमुख त्योहार है– 'ईद,' सिख धर्म का 'गुरू पर्व' तथा ईसाई धर्म का प्रमुख त्योहार 'क्रिसमस' है।
3. इस प्रश्न का उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) 'प्रकाश पर्व' के रूप में दीपावली का त्योहार मनाया जाता है।
   (ख) दशहरे के दिन रावण का पुतला जलाया जाता है।
   (ग) 'ईद' मुसलमानों का, 'गुरुपर्व' सिखों का तथा 'क्रिसमस' ईसाइयों के त्योहार हैं।
   (घ) फ़सलों की कटाई के समय बीहू, पोंगल, ओणम, बैसाखी आदि त्योहार मनाए जाते हैं।
2. [1] भारत को त्योहारों का देश कहा जाता है।
   [2] रक्षाबंधन के पर्व पर प्रत्येक भाई अपनी बहन की राखी के धागे में बंधकर आजीवन उसकी रक्षा करने का वचन देता है।
   [3] इसी प्रकार, ईसाई धर्म को मानने वाले लोग क्रिसमस मनाते हैं।
   [4] बौद्ध धर्म को मानने वाले लोग गौतम बुद्ध के जन्मदिन को 'बुद्ध पूर्णिमा' त्योहार के रूप में मनाते हैं।
3. (क) संप्रदाय (ख) गुरुपर्व
   (ग) रंग (घ) फ़सलों
4. (क) हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहार हैं– होली, दीपावली, रक्षाबंधन, दशहरा इत्यादि।
   (ख) होली पर सब एक-दूसरे पर रंग लगाते हैं।
   (ग) दीपावली को 'प्रकाश पर्व' के रूप में मनाया जाता है।

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

पर्व-त्योहारों को मनाए जाने के पीछे उद्देश्य होता है– एक-दूसरे में प्रेम और अपनत्व को भावना बढ़ाना तथा जीवन में हर्ष तथा उल्लास की भावना उत्पन्न करना।

भाषा और व्याकरण

1. 1. जातिवाचक संज्ञा– देश, त्योहार, मुस्लिम, हिंदू, सिक्ख, ईसाई आदि।
   2. व्यक्तिवाचक संज्ञा– दीपावली, दशहरा, गुरुनानक जी, गौतम बुद्ध आदि।
   3. भाववाचक संज्ञा– खुशी, ज्ञान, बुराई, अच्छाई आदि।
2. (क) कुछ, (ख) मीठी, (ग) रंग-बिरंगी, (घ) कई
3. जाता है — वर्तमान काल
   हुआ था — भूत काल
   लेंगी — भविष्यत काल
   जाते हैं — वर्तमान काल
4. (क) श्याम– मोहन श्याम रंग का है।
   श्याम– आज श्याम मेरे दर्शन में आए।
   (ख) कुल– वह अच्छे कुल का लड़का है।
   कुल– परीक्षा कुल सौ अंकों की होगी।
   (ग) पुट– अब उसके दिन पुर गए।
   पुट– वह पुर की पगडंडियों पर चल रहा था।
   (घ) पास– वह परीक्षा में पास हो गया।
   पास– मोहन मेरे घर के पास ही रहता है।

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

9. कदंब का पेड़

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) बालक कदंब के पेड़ पर बैठकर कन्हैया बनने की बात कर रहा है।
   (ख) बालक बंसी के स्वर में माँ को बुलाने की बात कर रहा है।
   (ग) माँ बालक को मिठाई, माखन-मिसरी, खिलौने तथा दूध-मलाई देने की बात कह रही है।
   (घ) माँ अपने मुन्ने राजा को अपनी गोदी में देखकर खुश हो जाती है।
3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) बालक अपनी माँ से दो पैसे वाली बाँसुरी की माँग कर रहा है।
   (ख) बालक कदंब के पेड़ पर चढ़कर बाँसुरी बजाने की बात कह रहा है।
   (ग) माँ बालक को मनाने के लिए उसे मिठाई, नए खिलौने, माखन-मिसरी तथा दूध-मलाई देने का लालच देती है।
   (घ) माँ पेड़ के नीचे आँचल फैलाकर और अपनी आँखे मींचे ईश्वर से प्रार्थना करती है।
2. (क) यह कदंब का पेड़ अगर माँ होता यमुना तीरे,
   मैं भी उस पर बैठ कन्हैया बनता धीरे-धीरे।
   ले देतीं यदि मुझे बाँसुरी तुम दो पैसे वाली,
   किसी तरह नीचे हो जाती यह कदंब की डाली।
   (ख) तुम आँचल फैलाकर अम्मा, वहीं पेड़ के नीचे,
   ईश्वर से कुछ विनती करती, बैठी आँखें मींचे।
   तुम्हें ध्यान में लगा देख मैं धीरे-धीरे आता,
   और तुम्हारे फैले आँचल के नीचे छिप जाता।
3. (क)- (*iii*), (ख)- (*iv*), (ग)- (*ii*), (घ)- (*i*)

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

माँ हमारी जननी है। उसने असाध्य कष्ट सहकर हमें पाला-पोसा है। अनगिनत दुखों को सहकर उसने हमें पल्लवित किया है। माँ के ऋण से हम कभी उऋण नहीं हो सकते। इसलिए माँ की सेवा और सम्मान करना हमारा परम धर्म है।

भाषा और व्याकरण

1. संज्ञा– कदंब, पेड़, कन्हैया, बाँसुरी
   सर्वनाम– मैं, तुम्हें, तुम, तुम्हारा
   विशेषण– नीची, नए, फैले, कुछ
2. (क) आता, (ख) बजाता, (ग) दूँगी, (घ) छिप जाता
3. (क) पेड़ पर लड़के बैठे हैं।
   (ख) चिड़ियाँ उड़ रही हैं।
   (ग) हवा से पेड़ की टहनियाँ झूम रही हैं।
   (घ) बच्चे मिठाइयाँ खा रहे हैं।
4. (क) पेड़– मेड़ (ख) तीर– नीर
   (ग) राजा– बाजा (घ) टहनी– कथनी
   (ङ) विनती– गलती (च) खेल– मेल

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

10. एकता में बल

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों से देश की सभी जेलें भर चुकी थीं।
   (ख) संध्या के समय गांधी जी कस्तूरबा के साथ वृक्षों की हरियाली तथा शुद्ध वायु का आनंद ले रहे थे।
   (ग) चिड़ियों की लड़ाई कौए से हुई।
   (घ) गांधी जी सहसा बोल उठे– हमें अपनी एकता के बल से इस लड़ाई को जीतना है।
3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) आगा खाँ महल में गांधी जी दिन-भर पढ़ने लिखने में व्यस्त रहते, पर सुबह-शाम खूब सैर करते।
   (ख) गाँव-गाँव, शहर-शहर में 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' के नारे गूँज रहे थे।
   (ग) संध्या के समय गांधी जी की दृष्टि चिड़ियों के एक जोड़े पर पड़ी। चिड़ियाँ अपने घोंसले के आसपास पंख फड़फड़ाती हुई चीख रही थीं।
   (घ) सभी चिड़ियों ने कौए पर एक साथ आक्रमण कर उस पर विजय प्राप्त की।
2. [1] गांधी जी की पत्नी कस्तूरबा भी उनके साथ थी।
   [2] एक कौआ बार-बार झपट्टा मार रहा था।
   [3] विदेशी ताकत से एकजुट होकर लड़ना है।
   [4] गांधी जी की बात अक्षरशः सत्य सिद्ध हुई।
3. (क) संध्या, (ख) चिड़ियो, (ग) कौतूहल, (घ) आज़ाद
4. (क) देश भर में भारत की स्वतंत्रता का आंदोलन चल रहा था।
   (ख) गाँव-गाँव, शहर-शहर में 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' के नारे गूँज रहे थे।
   (ग) स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों से देश की सभी जेलें भर चुकी थीं।

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

देश की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण रखने के लिए देशवासियों के बीच एकता आवश्यक है– क्योंकि यदि देशवासी जाति, धर्म, संप्रदाय तथा भाषा-बोली के आधार पर एक-दूसरे से लड़ेंगे तो देश कमज़ोर होगा और इसका फ़ायदा विदेशी शक्तियाँ उठा लेंगी।

भाषा और व्याकरण

1. (क) उनके (ख) वह
   (ग) उनकी (घ) हम
2.

	विशेषण	विशेष्य
(क)	शुद्ध	वायु
(ख)	मधुर	संगीत
(ग)	दो-चार	चिड़ियाँ
(घ)	अक्षरशः	सत्य

3. (क) एक कौआ बार-बार झपट्टा मार रहा था।
   (ख) कौआ थोड़ा ऊपर उड़ता, फिर नीचे आ आक्रमण करता।
   (ग) बस, फिर क्या था!
   (घ) पता नहीं, कौन जीतेगा?
4. (क) गांधी जी वृक्षों की हरियाली का आनंद ले रहे थे।
   (ख) अचानक चिड़ियों की चीख-पुकार सुनाई दी।
   (ग) कौए बार-बार झपट्टा मार रहे थे।
   (घ) गांधी जी की बातें अक्षरशः सत्य साबित हुई।

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

11. श्रम की शक्ति

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) अभावग्रस्तता तथा प्रतिकूल परिस्थियाँ कभी-कभी वरदान साबित हो जाती हैं।
   (ख) कठिन परिस्थितियों में जीवन व्यतीत करते हुए व्यक्ति के मन में सदैव किसी लक्ष्य को प्राप्त करने की धुन सवार रहती है, ताकि वह भविष्य में सामान्य और सुखमय जीवन व्यतीत कर सके।
   (ग) राजेश पटेल एक कंपनी में पर्यवेक्षक का काम करते हैं।
   (घ) राजेश पटेल काम करते-करते श्रमिक से पर्यवेक्षक के पद पर पहुँच गए।
3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) प्रतिकूल परिस्थितियाँ मनुष्य को लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रेरित करती हैं।
   (ख) राजेश जी एक आर्थिक रूप से कमज़ोर तथा निम्नवर्गीय परिवार से संबंध रखते हैं।

(ग) वे रोजगार प्राप्त करने हेतु दिल्ली आए।

(घ) नहीं, राजेश जी ने अपने काम के लिए कोई प्रशिक्षण नहीं लिया था।

2. [1] इस क्रम में वह खूब मेहनत करता है और अंततः अपने लक्ष्य को हासिल करता है।

[2] उन्होंने बतौर श्रमिक एक कंपनी में काम करना प्रारंभ किया।

[3] एक परिचित के माध्यम से मुझे इस कंपनी में श्रमिक का काम मिला।

[4] मेरे परिवार में मेरी पत्नी तथा दो बच्चे हैं।

3. (क) परिवार, (ख) श्रमिक, (ग) पर्यवेक्षक, (घ) परिचित

4. (क) राजेश जी का परिवार आर्थिक रूप से कमज़ोर तथा निम्नवर्गीय परिवार है।

(ख) अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधारने हेतु वे दिल्ली आए।

(ग) अपनी मेहनत से वे श्रमिक के पद से पर्यवेक्षक के पद पर पहुँच गए।

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

जीवन में यदि दृढ़-संकल्प तथा अपने आप पर विश्वास हो तो किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उच्च मनोबल तथा प्रतिबद्धता भी इसकी एक अनिवार्य शर्त है।

भाषा और व्याकरण

1. (क) प्रतिकूल, (ख) निम्नवर्गीय, (ग) चारपहिया, (घ) औद्योगिक

2. जातिवाचक संज्ञा– श्रमिक, कंपनी, गाँव, पत्नी
व्यक्तिवाचक संज्ञा– राजेश, गुरुग्राम, मानेसर, दिल्ली
भाववाचक संज्ञा– वरदान, मेहनत, ईमानदारी, प्रतिबद्धता

3. (क) उत्कृष्ट, (ख) निम्नवर्गीय, (ग) रोज़मर्रा, (घ) परिचित, (ङ) प्रशिक्षण

4. (क) वे प्राथमिक विद्यालय में शिक्षिका हैं।

(ख) मेरी बेटी विद्यालय जाती है।

(ग) शेरनी दहाड़ रही है।

(घ) बच्चियाँ खेल रही हैं।

(ङ) नौकरानी कमरा साफ़ कर रही है।

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

12. अनमोल हीरा

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।

2. (क) सब स्त्रियाँ कुएँ पर अपने सुख-दुख और घर-गृहस्थी की बातें कर रही थीं।

(ख) चौथी स्त्री चुपचाप इसलिए बैठी थी क्योंकि अन्य स्त्रियों के बेटों की तरह उसके बेटे में गुण नहीं थे।

(ग) चौथी स्त्री के बेटे ने अपनी माँ से कहा– ''अरे माँ! तुम पानी ले जा रही हो? लाओ घड़ा मैं पहुँचा दूँ।''

(घ) वृद्ध महिला ने चारों स्त्रियों से कहा– ''तुम चारों के पुत्रों में सर्वश्रेष्ठ यही है। यही है अनमोल हीरा।''

3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) प्रथम स्त्री ने अपने बेटे की प्रशंसा में कहा– ''मेरा बेटा तो लाखों में एक है। वह तो हीरा है, हीरा। उसका कंठ इतना मधुर है कि जब वह गाने लगता है तो राह चलते लोग भी रुक जाते हैं। उसके मधुर गीत को सुनकर कोयल और मैना भी चुप हो जाते हैं।"

(ख) दूसरी स्त्री ने अपने पुत्र के बखान में कहा– ''बहन! मेरा बेटा भी किसी से कम नहीं है। उसकी बराबरी तो इस संसार में कोई नहीं कर सकता। वह इतना शक्तिशाली और बहादुर है कि बड़े-बड़े लोग उसके सामने नहीं ठहर सकते। उसमें बड़े-बड़े लोगों को धूल चटाने की क्षमता है।"

(ग) चूँकि चौथी स्त्री के पुत्र एक साधारण इंसान तथा उसमें अन्य स्त्रियों के पुत्रों की तरह गुण नहीं थे, इसलिए वह चुपचाप बैठी थी।

(घ) चौथी स्त्री के बेटे ने अपनी माँ के सिर पर से पानी का घड़ा उतारकर अपने सिर पर रखा और घर की ओर चल पड़ा।

2.

किसने कहा?	किससे कहा?
(क) प्रथम स्त्री ने	अन्य स्त्रियों से
(ख) चौथी स्त्री ने	अन्य स्त्रियों से
(ग) चौथी स्त्री के बेटे ने	अपनी माँ से
(घ) वृद्ध महिला ने	अन्य स्त्रियों से

3. (क) मैना, (ख) स्त्रियों, (ग) शक्ति, (घ) आश्चर्य

4. (क) तीनों स्त्रियाँ बड़े आश्चर्य से चौथी स्त्री के बेटे को देख रही थीं।

(ख) चारों स्त्रियों के पीछे एक वृद्ध महिला आ रही थी।

(ग) वृद्ध महिला ने चौथी स्त्री के पुत्र को अनमोल हीरा कहा।

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

मनुष्य में सर्वगुणसंपन्नता के गुण अच्छे लगते हैं। इससे वह सामान्य से विशिष्ट गुणों वाला व्यक्ति बन जाता है। किंतु यदि उसमें मानवजनित सामान्य लक्षण या गुण, यथा– मानवता, नैतिकता, मातृ-पितृ भक्ति, ईमानदारी आदि का अभाव है, तो ये विशिष्ट गुण किसी काम के नहीं होते।

भाषा और व्याकरण

1. जातिवाचक संज्ञा– गाँव, स्त्री, बेटा, बहन
   व्यक्तिवाचक संज्ञा– सरस्वती, भीम, संस्कृत, बृहस्पति
   भाववाचक संज्ञा– ज्ञान, प्रशंसा, सामर्थ्य, आश्चर्य
2. (क) गुलदस्ता (ख) पड़ोसी
   (ग) वनवासी (घ) उपकारी
3. (क) सिपाही को देखते ही चोर नौ दो ग्यारह हो गए।
   (ख) रमेश ने मोहन की सामर्थ्य का लोहा मान लिया।
   (ग) खोए हुए बेटे को पाकर माँ फूले नहीं समा रही थी।
4. (क) बस– यह आपके बस की बात नहीं है।
   बस– आज हमारी बस छूट गई।
   (ख) भाग– संपत्ति को दो भागों में बाँटा गया।
   भाग– पुलिस पर नज़र पड़ते ही चोर भाग गए।
   (ग) हल– किसान खेल में हल चला रहे हैं।
   हल– इस सवाल का हल कठिन है।
   (घ) पत्र– हमें नियुक्ति-पत्र अभी तक नहीं मिला।
   पत्र– पौधों में पत्र निकल रहे हैं।

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

13. संगति का फल

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) कहीं पर गुलाब का पौधा था।
   (ख) लड़के ने ढेले को उठाकर सूँघा।
   (ग) ढेला महक रहा था।
   (घ) अच्छी संगति का फल अच्छा ही होता है।

लिखित

1. (क) गुलाब के पौधे में सुंदर फूल खिले थे।
   (ख) वहाँ आकर एक लड़के ने ढेले को सूँघा।
   (ग) ढेला ताज़े फूल की तरह महक रहा था।
   (घ) फूलों की संगति के कारण ढेला सुगंधित होकर महक रहा था।
2. (क) था गुलाब का पौधा कहीं पर,
   फूल खिले थे, उसमें सुंदर,
   लड़का एक वहाँ पर आकर,
   सूँघा ढेला एक उठाकर।
   (ख) फूल वहाँ पर झड़ते होंगे,
   उसके ऊपर पड़ते होंगे।
   इससे उसमें खुशबू आई,
   संगति का फल ऐसा भाई।
3. (क)- (*iv*), (ख)- (*iii*), (ग)- (*ii*), (घ)- (*i*)

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

काँटों के बीच रहकर भी अपनी सुंदरता तथा सुरभि से सबको सुरभित करने वाले गुलाब के फूल से हमें यही शिक्षा मिलती है कि अच्छे गुणों से सुसज्जित व्यक्ति दुर्गुणों से भरे समूह में भी अपना गुण नहीं खोते तथा उन्हें भी अपने गुणों से युक्त कर देते हैं।

भाषा और व्याकरण

1. उसे, यह, उसकी, इस, मैं
2. (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा (ख) जातिवाचक संज्ञा
   (ग) जातिवाचक संज्ञा (घ) भाववाचक संज्ञा
   (ङ) जातिवाचक संज्ञा
3. (क) पादप, (ख) बालक, (ग) पुष्प (घ) सुगंध
   (ङ) संसर्ग, (च) भ्राता
4. (क) पौधे बड़े सुंदर लग रहे हैं।
   (ख) रंग-बिरंगे फूल खिले हैं।
   (ग) लड़के खेल रहे हैं।
   (घ) तितलियाँ फूलों पर मँडरा रही हैं।
   (ङ) भँवरे फूलों का रसपान कर रहे हैं।
   (च) पक्षी आसमान में उड़ रहे हैं।

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

14. पक्षियों का राजा - मोर

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) मोर रंग-बिरंगे, सुंदर-सुंदर पंखों वाला बड़ा ही मनभावक पक्षी होता है।
   (ख) मोर बड़े-बड़े पेड़ों पर रहता है।

(ग) मोर के पंख बहुत घने तथा लंबे होते हैं।

(घ) मोर का नृत्य बहुत प्यारा होता है।

3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) मोर के सिर पर लगी कलगी किसी राजा के मुकुट की तरह लगती है। इसलिए इसे 'पक्षियों का राजा' कहा जाता है।

(ख) सवेरा होते ही मोर कैं कैं बोल उठता है और पेड़ से उतरकर वन-बागों में घूमने लगता है।

(ग) जब आकाश में बादल घिर आते हैं या सूर्य डूबने लगता है, तब मोर नाचता है।

(घ) भारत सरकार ने 1763 में मोर को 'राष्ट्रीय पक्षी' घोषित किया।

2. [1] मोर बड़े-बड़े पेड़ों पर रहता है।

[2] इसका नृत्य बहुत ही प्यारा होता है।

[3] मोर की सुंदरता हर किसी को मोहित करती है।

[4] मोर पक्षी भारत ही नहीं बल्कि विश्व की एक धरोहर है।

3. (क) भारी, (ख) पंख, (ग) बादल, (घ) साँप

4. (क) – (*ii*), (ख) – (*i*), (ग) – (*iv*), (घ) – (*iii*)

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

मोर पक्षी राष्ट्र का धरोहर है। यह अति सुंदर तथा मनमोहक पक्षी है। इसे देखकर ऐसा प्रतीत होता है, जैसे ईश्वर ने उसे स्वयं ही गढ़ा हो। ऐसे खूबसूरत पक्षी विरले ही मिलते हैं। इसलिए इसका संरक्षण आवश्यक है।

भाषा और व्याकरण

1.

	संज्ञा	सर्वनाम	क्रिया
(क)	मोर	मैं	देखने गया
(ख)	नृत्य	वह	कर रहा था
(ग)	पंख	वह	नाचता है
(घ)	पंख	वह, अपने	मोहित होता है

2. (क) अनगिनत (ख) मनमोहक (ग) सूर्यास्त (घ) सूर्योदय (ङ) पक्षीराज

3. (क) बड़े-बड़े (ख) भारी (ग) घने और लंबे (घ) रंग-बिरंगी (ङ) बहुत

4. (क) मोर एक खूबसूरत पक्षी है।

(ख) विश्व के किसी भी पक्षी के पंख मोर जैसे सुंदर नहीं हैं।

(ग) जब आसमान में बादल घिर आते हैं, तो मोर नाचता है।

(घ) मोर साँप का दुश्मन है।

(ङ) मोर को भारत सरकार ने संरक्षित जीवों के दर्ज़े में रखा है।

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

15. कटु वाणी

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।

2. (क) महात्मा बुद्ध भिक्षाटन हेतु एक गाँव में पहुँचे।

(ख) महात्मा बुद्ध द्वारा भिक्षा माँगने पर किसान गुस्से से भर गया तथा गालियाँ देने लगा।

(ग) महात्मा बुद्ध ने किसान से कहा– ''आप निश्चिंत रहें, मुझे आप से अब कुछ नहीं चाहिए। हाँ, आप कहें तो आपसे एक प्रश्न पूछूँ?''

(घ) अंत में किसान समझ गया कि महात्मा बुद्ध एक महान व्यक्ति हैं।

3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) महात्मा बुद्ध घर-घर जाकर भिक्षा माँगने लगे।

(ख) भिक्षा माँगने पर किसान ने महात्मा बुद्ध से कहा– ''चलो जाओ यहाँ से, नहीं तो मार-मार कर ठीक कर दूँगा। हट्टे-कट्टे हो, कुछ काम क्यों नहीं करते? सुबह हुई और निकल पड़े भीख माँगने के लिए, आलसी कहीं के।''

(ग) महात्मा बुद्ध ने किसान से प्रश्न किया– ''यदि कोई व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति को कुछ दे और दूसरा व्यक्ति उस वस्तु को न ले तो वह वस्तु किसके पास रहेगी?''

(घ) अंत में किसान महात्मा बुद्ध का शिष्य बन गया।

2.

किसने कहा?	किससे कहा?
(क) किसान ने	महात्मा बुद्ध से
(ख) महात्मा बुद्ध ने	किसान से
(ग) किसान ने	महात्मा बुद्ध से
(घ) महात्मा बुद्ध ने	किसान से

3. (क) भिक्षाटन, (ख) मामूली, (ग) महान, (घ) शिष्य

4. (क) किसान का उत्तर सुनकर महात्मा बुद्ध ने

शांत स्वर में कहा– ''सुनो भाई, आप मुझे जो गालियाँ दे रहे थे, मैंने उन्हें स्वीकार नहीं किया है। इसलिए वे सब गालियाँ आपके ही पास हैं। अब मैं चला।''

(ख) किसान ने महात्मा बुद्ध को महान व्यक्ति समझा।

(ग) महात्मा बुद्ध के चरणों में गिरकर किसान क्षमा माँगने लगा।

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

हमें सबसे शिष्ट और सौम्य व्यवहार रखना चाहिए। अशिष्टता और अभद्रता मानवीय गुण नहीं है। ये मनुष्य को अमर्यादित और अविवेकी बनाते हैं। इसलिए हमें इनसे दूर रहना चाहिए।

भाषा और व्याकरण

1. (क) माँगता (ख) देता (ग) देखता (घ) झल्लाता
2. (क) वह (ख) आप (ग) मैं (घ) वे
3. (क) वह बोला, ''चले जाओ यहाँ से, नहीं तो मार-मार कर ठीक कर दूँगा।''

   (ख) ''हट्टे-कट्टे हो, कुछ काम क्यों नहीं करते?''

   (ग) किसान झल्ला गया और बोला– ''यह भी कोई पूछने की बात है?''

   (घ) ''सुनो भाई, आप मुझे जो गालियाँ दे रहे थे, मैंने उन्हें स्वीकार नहीं किया है!''
4. (क) भिक्षा– साधु भीख माँगकर गुजारा करते थे।
   (ख) गुस्सा– उसे इस बात पर बेहद क्रोध आया।
   (ग) प्रश्न– यह सवाल कठिन था।
   (घ) मामूली– वो एक साधारण-सी बात थी।
   (ङ) किसान– रामदास खेतिहर है।
   (च) क्षमा– उसने माफी माँग ली।

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

16. रंग-बिरंगी तितली रानी

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) तितलियाँ फूलों पर इसलिए मँडराती हैं ताकि वे उनका रस चूसकर अपना आहार बना सकें।
   (ख) तितलियाँ पत्तों पर अंडे देती हैं।
   (ग) तितलियों के तीन जोड़ी जुड़े हुए पैर होते हैं।
   (घ) तितलियाँ वस्तुओं की गंध का पता अपने सिर पर स्थित एंटीना से लगा लेती हैं।
3. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) तितलियों का मुख्य आहार फूलों का रस है।
   (ख) तितली के मुँह में घड़ी की स्प्रिंग की तरह प्रोवोसिस नामक खोखली लंबी खूँड़नुमा जीभ होती है। इससे वे फूलों का रस चूसती है।
   (ग) कैटरपिलर तितली के अंडों से निकले छोटे-छोटे कीट होते हैं। ये पौधे की पत्तियाँ खाकर बड़े होते हैं।
   (घ) तितली के शरीर के मुख्य भाग तीन होते हैं– सिर, वक्ष और उदर। उसके तीन जोड़ी जुड़े हुए पैर होते हैं।
2. (क) – (*iii*), (ख) – (*ii*), (ग) – (*i*), (घ) – (*iv*)
3. (क) फूलों (ख) पत्तों (ग) तीन (घ) गंध

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

अपने भोजन के लिए नन्हीं सी तितली फूलों पर मँडराती है। इससे हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें अपने कार्य हेतु निरंतर क्रियाशील रहना चाहिए।

भाषा और व्याकरण

1. (क) तुम (ख) हमारा (ग) मैं (घ) हम
2. (क) सुंदर (गुणवाचक विशेषण)
   (ख) ठोस (गुणवाचक विशेषण)
   (ग) दो जोड़ी (संख्यावाचक विशेषण)
   (घ) तीन (संख्यावाचक विशेषण)
3. (क) मैं भी तुम्हारी तरह बगिया की सैर पर निकली हूँ।
   (ख) मैं पुष्पों का रस चूसती हूँ।
   (ग) यही मेरा भोजन है।
   (घ) संसार की सबसे बड़ी तितली 'जायंट बर्डविंग' है।
4. (क) तितलियाँ फूलों पर मंडरा रही हैं।
   (ख) फूलों पर भँवरे मँडरा रहे हैं।
   (ग) पेड़ से पत्ते झड़ रहे हैं।
   (घ) चिड़िया ने अंडे दिए हैं।
   (ङ) वह अपने पैरों पर खड़ा है।
   (च) दुकान विभिन्न प्रकार की वस्तुओं से भरी है।

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।